दिनांक 06.05.15 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भुवनेश्वर की 57वीं बैठक का कार्यवृत्त।

दिनांक 06 मई को अपराह्न 03:30 बजे राजस्व विहार स्थित सीमा व उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर आयुक्तालय स्थित हिन्दी सदन में भुवनेश्वर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 57वीं बैठक श्री नाथन राउल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निदेशानुसार प्रत्येक छमाही में उक्त बैठक का आयोजन करना होता है। तदनुसार बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सदस्य कार्यालयों से 61 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भागीदारी की।

अतिथियों का स्वागत भाषण:

बैठक के आरंभ में सदस्य सचिव महोदया ने मुख्य अतिथियों एवं सभी सदस्यगणों का स्वागत किया। तदोपरांत अध्यक्ष महोदय तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात सदस्य-सचिव सुश्री सुनीता केशवानी ने कार्यसूची के बिन्दुओं पर क्रमवार चर्चा शुरू की।

तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा:

सदन में उपस्थित सदस्य कार्यालयों के किसी सदस्य द्वारा आपति या संशोधन का प्रस्ताव न आने पर समिति ने सर्वसम्मति से पिछले कार्यवृत्त की पुष्टि कर दी। तत्पश्चात अगले बिन्दु तिमाही प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा आरंभ हुई। सदस्य-सचिव महोदया ने विभिन्न सदस्य कार्यालय से प्राप्त अक्तूबर-दिसंबर 2014 तिमाही की रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए बताया कि विभिन्न सदस्य कार्यालयों में से कुल 36 कार्यालयों की रिपोर्टें ही प्राप्त हुई हैं। तत्पश्चात उन्होंने विस्तारित रूप से क्रमवार रिपोर्ट के प्रत्येक मद का विश्लेषण किया। विश्लेषण में पाया गया कि 10 (5) के मद में लगभग सभी कार्यालयों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। पत्राचार के प्रतिशत के मद में भी कई कार्यालयों ने 'ग' क्षेत्र के कार्यालयों के लिए निर्धारित लक्ष्य से बढ़कर पत्राचार किया है परन्तु धारा 3(3) के मद पर कुछ कार्यालयों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।

हिंदी प्रशिक्षण

प्रधान महालेखाकार कार्यालय, भुवनेश्वर के हिन्दी अधिकारी श्री आर एन चाँद ने हिन्दी शिक्षण से भी संबद्ध होने के नाते इस सत्र के प्रशिक्षण कार्यक्रम का ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा हिन्दी भाषा, आशुलिपि एवं टंकण प्रशिक्षण की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए सभी सदस्य कार्यालयों से जल्द से जल्द अपने कार्यालय के सभी शेष कर्मचारियों को प्रशिक्षण हेतु नामित करने का अनुरोध किया इसके साथ ही उन्होंने जुलाई से आरंभ होने वाले पारंगत पाठ्यक्रम का भी उल्लेख किया।

सदस्य कार्यालयों के सुझाव:

इसके उपरांत सदस्य कार्यालयों से सुझाव आमंत्रित किए गए। इस क्रम में क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र के उप निदेशक डॉ. दासरथी दास ने सर्वप्रथम अपने कार्यालय की राजभाषा की स्थिति के उदाहरण के माध्यम से हिन्दी के परिदृश्य पर अपनी बात रखी और इसे बेहतर बनाने के लिए रचनात्मक प्रयासों की जरूरत को रेखांकित

जारी पृ सं.....2

किया। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के उपसचिव पद पर कार्यरत श्री एल.एल. मीना ने एक महत्वपूर्ण बिन्दु जोड़ते हुए कहा कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के काम-काज को और बेहतर बनाने के लिए हमें इस बैठक को "छमाही बैठक" के बजाय "छमाही कार्य-प्रगति बैठक" के रूप में संबोधित करना चाहिए ताकि सभी सदस्यगण बैठक के लिए पूर्व तैयारी के साथ आएं। इसके अलावा उन्होंने अपने संगठन का उदाहरण देते हुए केंद्र सरकार के कार्यालयों के स्तर पर भी कुछ नई पहलों की जरूरत पर ज़ोर दिया। क्षेत्रीय भविष्य निधि संगठन के सहायक निदेशक श्री विजय कुमार शर्मा ने कहा कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति का कार्यक्षेत्र काफी व्यापक है इसलिए इसे सुचारू रूप से चलाने के लिए उपसमितियाँ बनाई जा सकती हैं जो कि इसके काम-काज में सहयोग करें। दूरदर्शन के सहायक निदेशक श्री नारायण दास मावलयाल ने कहा कि कार्यालयों में राजभाषा के प्रसार को सुनिश्चित करने के लिए कार्यालय प्रमुखों को महज राजभाषा प्रभाग के कर्मचारियों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए बल्कि हिन्दी का प्रशिक्षण प्राप्त कार्यालय के सभी कर्मचारियों को हिन्दी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इन सभी सुझावों का सदस्य सचिव महोदय ने स्वागत किया।

<u>अध्यक्ष महोदय तथा विशिष्ट अतिथियों का अभिभाषण।</u>

इसके अलावा बैठक में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों ने भी अपनी बात रखी। मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री तिलक दे ने इस आयोजन के लिए समिति को बधाई दी और राजभाषा के कार्य में सहभागिता पर ज़ोर दिया। तत्पश्चात केन्द्रीय उत्पाद सीमा शुल्क एवं सेवा कर कार्यालय के आयुक्त श्री दीपशेखर जी ने गैर हिंदीभाषी क्षेत्र होने के बावजूद भुवनेश्वर में हिंदी के काम-काज की गति को उत्साहजनक बताया और इस दिशा में और परिश्रम करने की अपील की। महालेखाकार कार्यालय भुवनेश्वर के उपमहालेखाकार एवं सर्वकार्यभारी अधिकारी (हिन्दी शिक्षण योजना) श्री ए.के.जोशी ने राजभाषा के प्रति सकारात्मक रवैये की जरूरत को रेखांकित किया। कार्यक्रम में नराकास के अध्यक्ष श्री नाथन राउल, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त महोदय ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करते हुए राजभाषा के उज्ज्वल भविष्य के प्रति आशान्वित रहने की सलाह दी।

कार्यक्रम के अंत में लेखा व हकदारी कार्यालय के अधिकारी श्री रवीन्द्र नाथ चान्द ने अध्यक्ष महोदय एवं सभी सदस्यों को बैठक में शामिल होकर इसे सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और इसके उपरांत अध्यक्ष महोदय की अनुमति से सुश्री सुनीता केशवानी, सदस्य-सचिव नराकास ने सभी को पुनः धन्यवाद देते हुए बैठक समाप्ति की घोषणा की।

अध्यक्ष (नराकास)/प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, ओडिशा, भुवनेश्वर के अनुमोदन से जारी।

सुनीता केशवानी
(सुनीता केशवानी)
सदस्य-सचिव

(एस के दाश)
आयकर अपर आयुक्त(मु)(प्र.एवं तक.)
कृते अध्यक्ष (न.रा.का.स.)